

>

Title: Regarding situation arising out of reported resignation of Union Minister of Railways.

MADAM SPEAKER: Hon. Members, I have received notices of suspension of Question Hour from Sarvashri Basu Deb Acharia, Gurudas Dasgupta, Shrimati Sushma Swaraj and Sharad Yadav regarding the reported resignation of Union Minister of Railways. There is no provision in the Rules of Procedure under which Members may make a demand for suspension of Question Hour. I have, therefore, disallowed the notices of suspension of Question Hour. So, we may please proceed with the Question Hour.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, hon. Leader of the House wants to say something. Please listen to him. Please listen to the hon. Leader of the House.

...(Interruptions)

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam, I would like to say something about the news item which is agitating the hon. Members in respect of the resignation of the Railway Minister. I want to respectfully submit that we have received one communication from the Chairperson of the Trinamool Congress addressed to the hon. Prime Minister, which has been received late last night and the Government has not yet taken any action on it. As and when the Government will take action, the House will be informed. ...(Interruptions)

श्री गणेश सिंह : महोदया, नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका दिया जाये।...(व्यवधान) यह गलत परंपरा है।...(व्यवधान) आप नेता प्रतिपक्ष को सुनिये।...(व्यवधान) महोदया, पहले नेता प्रतिपक्ष को सुना जाये।...(व्यवधान) महोदया, आप नेता प्रतिपक्ष को सुनिये।...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: So far as the question of resignation of the Railway Minister is concerned, hon. Prime Minister has not received any resignation letter from the Railway Minister. As and when new information is to be shared with the Parliament and with the House, I shall be glad to share the information as and when the appropriate action is being taken on the communication received from the Minister or from the Chairperson of the Trinamool Congress.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ( भागलपुर ) : महोदया, सदन के नेता कभी भी बोलेंगे।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): आपने उन्हें पहले बोलने के लिए खड़ा कर दिया।...(व्यवधान) आप हमारी तरफ देखती भी नहीं हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Let us proceed with the Question Hour.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: I have received notices of suspension of Question Hour.

...(Interruptions)

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): What is the provocation? ...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइये और सुषमा जी आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please take your seats. I will allow you.

...(Interruptions)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, आपने उन्हें पहले बुला लिया।...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बोलिये। आप बैठिये, नेता विपक्ष बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बैठिये। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI T.R. BAALU : He is still a Minister. Now, what is the provocation? He is still a Minister. ...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदया :** आप बोलिये।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, सत्ता पक्ष हमेशा विपक्ष की बात सुनने के बाद जवाब देता है। हम निश्चित तौर पर नेता सदन को सुनते, लेकिन हमारी बात सुनकर फिर वे जवाब दें। अभी तो उन्होंने हमारा प्रश्न सुना ही नहीं है। इसलिए मैं आपसे बार-बार यह अनुरोध करती हूँ कि जब विपक्ष से कोई खड़ा हो तो उसे बोल देने दें, हम जरूर नेता सदन को सुनेंगे। हमारी बात सुनकर फिर वे जवाब दें तो संसदीय प्रक्रिया की सही अनुपालना होगी।...(व्यवधान)

महोदया, आज जब हम इस सदन में मिले हैं तो देश में एक संवैधानिक संकट महराया हुआ है।...(व्यवधान) आप लोग तो परिस्थिति निरपेक्ष हैं। अगर आपको संकटों की समझ होती तो संकटों का समाधान भी हो जाता।...(व्यवधान)

महोदया, कल लगभग 2 बजे रेल बजट की प्रस्तुति यहां समाप्त हुई और 2 बजकर 50 मिनट पर जब हम सदन में दोबारा मिले तब तक देश की राजनीति में भूचाल आ चुका था। सबसे पहले सत्तापक्ष के सहयोगी दल के एक वरिष्ठ सांसद का बयान आया कि कि यात्री किराये में वृद्धि के कारण उनकी नेता नाराज़ हैं। उसके बाद बयान आया कि उन्होंने रेल मंत्री को, जो उन्हीं के दल से संबंधित हैं, इस्तीफा देने को कहा है। रात को समाचार आया कि उन्होंने प्रधान मंत्री जी को पत्र लिखकर कहा है कि वह इनको रेल मंत्री के पद से हटा दें और एक अन्य मंत्री का नाम दिया है ... (व्यवधान) जिसको रेल मंत्री बना दें। ... (व्यवधान) महोदया, असाधारण घटनाएँ इस सरकार में घट रही हैं।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY): Shrimati Sushma Swaraj, shall I just clarify the position? ...(Interruptions) It will be helpful to you. I want to make the position clear.

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, इस सरकार में असाधारण घटनाएँ घट रही हैं। संसदीय कार्य राज्य मंत्री इस्तीफा देकर कोषभवन में बैठे हैं। सहयोगी दल के मंत्री गांधी जी की मूर्ति के आगे धरने पर बैठे हैं। मेरा सदन के नेता से प्रश्न है कि सदन के नेता यह बताएँ कि क्या दिनेश त्रिवेदी आज रेल मंत्री हैं या नहीं? ... (व्यवधान) दूसरी बात यह बताएँ कि कल जो रेल बजट प्रस्तुत हुआ था, अभी ज़िन्दा है या मर चुका है? ... (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** ठीक है। अब क्वेश्चन आकर भी मुझे चलाना है।

â€¦(व्यवधान)

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** महोदया, मेरा तीसरा प्रश्न बहुत अहम है। नेता सदन वित्त मंत्री भी हैं। संसदीय प्रक्रिया के अनुसार रेल मंत्री अकेले बजट नहीं बनाता। यहाँ बजट प्रस्तुत होने से पहले वित्त मंत्री और प्रधान मंत्री फाइल पर उसको समर्थन देते हैं, अप्रूव करते हैं, सहमति देते हैं। मैं पूछना चाहती हूँ कि जो रेल बजट सदन की संपत्ति बन चुका है, क्या रेल मंत्री के हटने से प्रधान मंत्री और वित्त मंत्री उस बजट से पल्ला छुड़ा सकते हैं? ... (व्यवधान) सदन की संपत्ति बन चुका रेल बजट आज अधर में लटका हुआ है। रेल मंत्री का भविष्य भी अधर में है, रेल बजट का भविष्य भी अधर में है। इसलिए मैं आपसे जानना चाहती हूँ कि नेता सदन बताएँ कि इस असाधारण परिस्थिति में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है? ये मेरे प्रश्न हैं जिनका जवाब मुझे चाहिए। ... (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** शरद यादव जी, आप बहुत संक्षेप में बोलें। प्रश्न काल भी चलाना है।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** पहले प्रश्न काल चलाएँगे।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** इतना उद्घेलित मत होइए। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) â€¦ \*

**शरद यादव (मधेपुरा) :** माननीय अध्यक्ष जी, आप इस सदन की मालिक हैं। मालकिन हैं। ...(व्यवधान) कोई फर्क नहीं पड़ता, वे मालिक हैं। हम लोगों का कहना है कि जो विवाद और इस तरह की परिस्थिति बाहर है, उसमें सरकार की तरफ से कोई बयान आए। ...(व्यवधान) आप सुनिये तो सही। आज सदन चला तो नेता विपक्ष खड़ी हुई, मैंने तो अभी आपसे थोड़ा निवेदन ही किया है। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** अब आप बोलिये। आपको बोलने का मौका मैंने दे दिया है।

**श्री शरद यादव :** मेरा कहना है कि जो परिस्थिति है, उसमें पारदर्शिता और खुलेपन की बात बहुत ज़रूरी है। यहाँ पूणव बाबू बजट रखेंगे तो प्रधान मंत्री जी और सोनिया जी की सलाह के बिना नहीं रखेंगे। यह साझा सरकारों का दौर है और जिस तरह से विवाद बना है, मैं मानता हूँ कि त्रिवेदी जी यहाँ ममता जी की ताकत और पुरुषार्थ पर यहाँ बैठे हैं। इन्होंने जो भी किया अच्छा या बुरा, मैं उस पर नहीं बोल रहा हूँ। मैं तो कल सदन में नहीं था।

मैं निश्चित तौर पर यह कहना चाहता हूँ कि यह क्या परिस्थिति है? आज जो साझा सरकारों की एक तरह से संस्कृति बनी हुई है, उसे कैसे स्मूथ चलाएं और देश का लोकतंत्र कैसे यशस्वी हो? हम लोग अकारण की बातों में उलझ जाते हैं। मैं तो मानता हूँ कि सदन में आज जो परिस्थिति है, जिसको सुषमा जी ने उठाया, वह नहीं होती, यदि सरकार ठीक से मजबूत कदम उठाती। आपका बजट अच्छा है या बुरा, यह तो जब मौका आएगा, जब बोलेंगे। लेकिन, उसी समय आपको यह फैसला करना चाहिए था।

पूणव बाबू, सरकार जब तक रहे, तब तक इकबाल से रहे और सरकार नहीं रहे तो यह चूँ-चूँ का मुख्बा नहीं हो। इससे हम लोगों को भी दिक्कत होती है। आपकी सरकार जिस तरह की परिस्थिति में फंसी है, आपकी सरकार जाए, यह तो हमारी इच्छा है। लेकिन, यह सरकार जब तक रहे, वह तरीके से रहे, यह हम चाहते हैं। आपसे भी निवेदन करते हैं कि हम कभी-कभी बुरी बात ही नहीं, अच्छी बात भी कहना चाहते हैं। यदि आपका आशीर्वाद और आपकी ही मुहब्बत नहीं मिलेगी, पहले आप पूणव बाबू को बोलने के लिए कहेंगी, फिर नेता, विपक्ष को बोलने के लिए कहेंगी, तो हमारी बात कैसे होगी?

**अध्यक्ष महोदया :** ठीक है, ठीक है। आपको बोलने के लिए कह दिया न। अब आप बैठिए।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, situation is quite unusual and unprecedented. We have never seen in the past – never, never in the past – a Minister, after presenting his Budget, is being asked to resign. For the first time, this has happened in the parliamentary democracy of our country. It is also unprecedented because there is a collective responsibility. The Ministers of this Government are holding *dharma* outside Parliament House, protesting against the Minister, and demanding the Minister of his party should resign. I have heard the statement of the Minister. ...(Interruptions) Trinamool Congress Supremo, Kumari Mamata Banerjee, has written to the Prime Minister, and she has sent a substitute. ...(Interruptions) We demand that the Prime Minister should come and clarify as to how this Government is functioning. ...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Gurudas Dasgupta is saying.

(Interruptions) â€¦ \*

**अध्यक्ष महोदया :** अब आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** आप क्या कर रहे हैं? बैठ जाइए।

MADAM SPEAKER: All this will not go on record. Only what Shri Gurudas Dasgupta is saying, will go on record.

(Interruptions) â€¦ \*

**अध्यक्ष महोदया :** श्री गुरुदास दासगुप्त जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL) : I would request everybody to listen to us. There may be difference of opinion. What I am pointing out is that, there is a concept in parliamentary democracy. â€¦! (*Interruptions*) My point is different. I support wholeheartedly the demand of my friends that the hike in fares and freight should be rolled back. I support your demand. I also believe that the Chief Minister of West Bengal has every right to say that this should be rolled back. She is a citizen and we are also citizens of this country and so she has every right to say that. But I believe that in a situation of inflation, increase in fares should not have been done. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: This is not a discussion on the Railway Budget.

...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam, if this goes on, the House will not run. But we are interested in running the House.

My short point is, there is a concept of collective responsibility of the Cabinet. This very foundation of the parliamentary system is being violated and that is tarnishing the image of the Government. गवर्नमेंट कमजोर है, हिन्दुस्तान की जनता को यह मालूम हो रहा है। This should not happen and this is unprecedented. I am here from 1985. Never in the history have I seen members of the Government are on *dharna* outside. This is an unusual, unprecedented thing and a shameful development. While supporting their demand, I would ask the Government to ensure that the collective responsibility of the Cabinet, which is the foundation of Indian democracy, is protected and the image of the Government is protected. A weak Government cannot tackle the challenges that the country is facing today. So, the Government must put its house in order.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Madam Speaker, I stand here to speak as the Leader of the Trinamool Congress Parliamentary Party and not in the capacity of a Minister.

First of all, I would like to say that either the Trinamool Congress Parliamentary Party or the Trinamool Congress has not ever asked Shri Dinesh Trivedi to tender his resignation. I would like to make that very clear here.

Secondly, this is a matter to be settled between the Leader of my party Kumari Mamata Banerjee and the Prime Minister Dr. Manmohan Singh because whenever any change takes place in a Coalition Government, the decision is taken after a discussion between the leader of the party concerned and the Prime Minister. Here also it will be settled in that way only.

Thirdly, I want to categorically reconfirm that the UPA-II Government is totally settled and it will complete its term. ...(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE : Madam I would like to make a submission. ...(*Interruptions*) He has spoken. They should allow me to speak. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Only what the Leader of the House is saying will go on record.

(*Interruptions*) â€¦! \*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Madam Speaker, the hon. Leader of the Opposition and some other hon. Members of different political parties have raised certain issues. â€¦! (*Interruptions*) There are certain constitutional issues, certain procedural issues and certain factual issues. The question is, whether the Railway Minister has resigned. I am saying that the Railway Minister has not resigned. This is the first point that I would like to make.

Secondly, yes, we have received a communication from the Leader of the Trinamool Congress which is a constituent unit of the UPA-II and it is not unusual. Those who ran a Coalition Government for six years, how many times there had to be consultation with their coalition partners and in what manner, these gentlemen, who are opposing me now, they know it much better than anybody else. Therefore, my submission is, yes, the Prime Minister has received a communication from

the Chairperson of the Trinamool Congress Kumari Mamata Banerjee. It is under the active consideration of the Prime Minister. As I already informed, as and when a decision is taken, the House will be communicated.

I cannot say anything on the assumption of these hon. Gentlemen who ran the coalition in the same way, perhaps in the worst way, than we are running. Therefore, let us not go into that.

The third question is constitutional. The Railway Budget is definitely prepared by the Ministry of Railways. It is approved by the Finance Minister. The Prime Minister's approval is not required. So far as Railway Budget is concerned, Cabinet approval is not required. It is the approval of the Finance Minister. As the Finance Minister I own the responsibility. Now, it is the property of the House. Every hon. Member, every individual knows that this House has the inherent right to approve every proposal in respect of money and finance. They have every right to decide what should be the shape of the fiscal proposals. This is for the consideration of the Government. This is for the consideration of the House. It is the property of the House. (Interruptions) I am sorry these 'constitutional experts' are behaving like petulant children. They should behave like leaders and should not behave like petulant children... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदया : प्रश्न - 41, श्री दानवे रावसाहेब पाटील।

अ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सवाल पूछिए।

अ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ववैश्चन नंबर पूछिए।

अ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनको सवाल पूछने दीजिए।

अ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप प्रश्न पूछिए।

अ. (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जल्दी पूछिए। आप केवल प्रश्न पूछ रहे हैं।

अ. (व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Sanjeev Ganesh Naik.

### (Q . No. 41)

DR. SANJEEV GANESH NAIK : Thank you, Madam. About 33 per cent of Indian villages do not have access to all weather roads and remain cut off during the Monsoon season. Therefore, what steps would be initiated under the scheme PMGSY to not only connect but make them all weather roads... (Interruptions)

SHRI JAIRAM RAMESH: Madam Speaker, the objective of the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana is to connect all habitations... (Interruptions) over a population of 500 in the plain areas and habitation of a population of more than 250 in the special problem areas with all weather roads... (Interruptions)

**11.28 hrs.**

*At this stage, Shri Dilipkumar mansukhlal Gandhi and some other hon. members  
came and stood on the floor near the Table*

...(Interruptions)

SHRI JAIRAM RAMESH: But the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana is now concentrating in the lagging States, like Bihar, Jharkhand, Orissa, Chhatisgarh and Madhya Pradesh...(Interruptions) In other States, where connectivity target has already been reached, we are taking up substantial upgradation works...(Interruptions)

DR. SANJEEV GANESH NAIK : Madam, a lot many villages are still not taken under this Scheme due to some technical problem. I would like to know from the hon. Minister whether he is going to take these villages again into consideration...(Interruptions)

SHRI JAIRAM RAMESH: Madam Speaker, the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana takes habitation, it does not take revenue villages. Whatever habitations fulfill the population norms and are part of the original core cluster are included in the Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana...(Interruptions) There are certain States in the country which have substantially completed their connectivity programme in which upgradation is required...(Interruptions)

But, as I said, there are certain States in north India and the Eastern part of the country where the basic connectivity targets remain to be fulfilled....(Interruptions)

**श्री दत्ता मेघे :** अध्यक्ष महोदया, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ, मेरी कंस्ट्रिक्शन्स महासभा में वर्धा है, वहां पंतप्रधान सड़क योजना में जो भी काम हुए उसमें बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। सौ करोड़ रुपये की योजना में 35 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ...(व्यवधान) इसके बारे में मैंने कम्प्लेन किया था। आपकी कमेटी आई थी। उन्होंने ने भी दोष बताए लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे संबंधित जो ठेकदार या अन्य लोग हैं उन पर कब कार्रवाई होगी?...(व्यवधान)

**श्री जयराम रमेश :** अध्यक्ष महोदया, जब भ्रष्टाचार या गुणवत्ता की कमी की शिकायतें आती हैं तो एक प्रणाली है उस प्रणाली के अनुसार हम पहले राज्य सरकारों से टिप्पणी मांगते हैं कि शिकायत पर उनका क्या कहना है? जब हमें राज्य सरकार से जवाब आता है तभी हम कार्रवाई कर पाते हैं। वह कार्रवाई करने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। कान्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट करना या कान्ट्रैक्टर का कान्ट्रैक्ट खत्म करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है...(व्यवधान) हम राज्य सरकार को पैसा शेकने के पक्ष में नहीं हैं। यह बात सही है कि कई राज्यों से, खासतौर से वर्धा जिले से भी शिकायतें आई हैं।...(व्यवधान) मेरा सिर्फ यही कहना है कि कार्रवाई करने की प्राथमिक जिम्मेदारी और मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।...(व्यवधान)

**श्री इज्यराज सिंह :** अध्यक्ष महोदया, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जो सड़कें बनाई जाती हैं उनकी गुणवत्ता एवं मापदण्ड गांवों में रहने वालों के हिसाब से की जाती है एवं एक ग्रामीण परिप्रेक्ष्य की दृष्टिकोण से उसकी गुणवत्ता दी जाती है।...(व्यवधान) देश में ऐसे कई ग्रामीण इलाके हैं जहां माइनिंग क्षेत्र है, जहां माइन्स होते हैं। पत्थर से लदे हुए भारी वाहन और माइन्स के अन्य उत्पादन वस्तुओं से लदे हुए भारी वाहन इन सड़कों पर चलती हैं जिससे ये समय से पहले ही बिगड़ जाती है, क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में कोटा और बुंदी जिले में डाबी क्षेत्र एवं रामगंज मंडी क्षेत्र माइनिंग इलाका है तो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि क्या मंत्रालय की सोच और उनकी सोच इस ओर गयी है कि किस प्रकार इन इलाकों को पहले से ही चिन्हित किया जाए और इन पर विशेष ध्यान देकर ज्यादा मजबूत सड़कें बनाई जाए ताकि सड़कें क्षतिग्रस्त न हो पाएं।...(व्यवधान)

**श्री जयराम रमेश :** अध्यक्ष महोदया, जब सड़कें बनायी जाती हैं तो सड़कों पर डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होता है। सड़क पर कितना ट्रैफिक है उसका अनुमान लिया जाता है।...(व्यवधान) ट्रैफिक के अनुसार मापदंड बनाए जाते हैं। यह बात सही है कि कई ऐसे ग्रामीण इलाकों में सड़कें हैं जहां खनन की वजह से ट्रैफिक ज्यादा है।...(व्यवधान) मैं समझता हूँ कि डीपीआर के तहत पर इसको नजरअंदाज नहीं किया जाता है और राज्य सरकार की स्टेट रूरल डेवलपमेंट एजेंसी है, जो डीपीआर बनाती है वह जरूर इसको शामिल करते हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12 noon.

**11.33 hrs.**

*The Lok Sabha then adjourned till Twelve  
of the Clock.*

---

*The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock*

*(Madam Speaker in the Chair)*